विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **अमृतवेला का अनुभव**

पावन क्षण अमृतवेला के हुआ मैं शान्त स्वरूप
बाबा से मिलन मनाऊँ धारण कर बिन्दु स्वरूप

पावन मिलन की स्मृतियों में मन मेरा है खोया
परमात्म प्यार की लहरों में खुद को मैंने डुबोया

धन्य हुआ बाबा की अलौकिक मुस्कान पाकर
बाबा का रूप मैं रखूंगा दिल में सदा बसाकर

पलक नहीं झपकती मेरी बाबा को निहारते हुए
थकते नहीं बाबा भी मुझ पर प्यार बरसाते हुए

बाबा का लाइट माइट रूप मेरे सम्मुख आया
दिव्य प्रकाश से आलोकित खुद को मैंने पाया

पवित्रता की प्रतिज्ञा बाबा में याद मुझे दिलाई
मैंने भी बाबा के आगे फिर से प्रतिज्ञा दोहराई

बाबा का वरदानीमूरत हाथ मैंने सर पर पाया
अपना पवित्र स्वरूप इमर्ज होता खुद में पाया

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->